भाकृअनुप
ICAR

केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान
रहमानखेड़ा, पो. काकोरी, लखनऊ-227 107 उ.प्र. (भारत)
Central Institute for Subtropical Horticulture
Rehmankhera, PO Kakori, Lucknow-227 107 U.P. (India).

दिनांक **25.02.2012**

प्रेस विज्ञप्ति

आम के भुनगा कीट का प्रबंधन

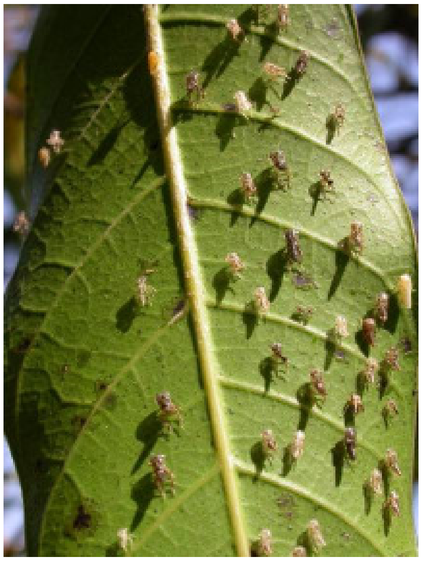

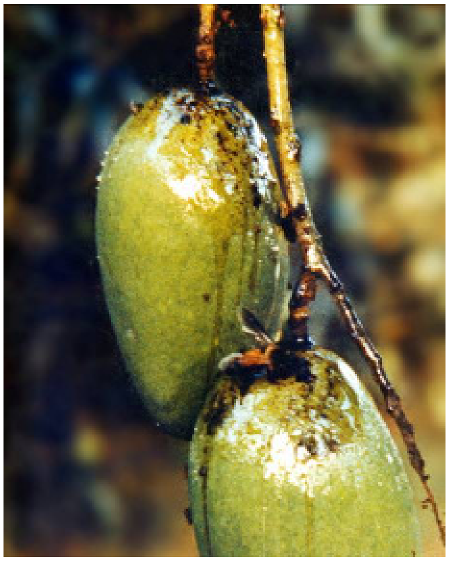

आम का भुनगा (फुदका या लस्सी) एक अत्यंत हानिकारक कीट है जो गंभीर अवस्था में आम की फसल को 50 प्रतिशत तक हानि पहुँचा सकता है। ये फूल की प्रशाखाओं, कलियों तथा मुलायम पत्तियों पर भी एक–एक करके अण्डे देते हैं जिससे शिशु अंडे से एक सप्ताह में बाहर आ जाते हैं। बाहर आने के बाद शिशु एवं वयस्क कीट पुष्पगुच्छ (बौर), पत्तियों तथा फलों को भेद कर उनके मुलायम हिस्सों से रस को चूस लेते हैं। इससे पेड़ के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव होता है और विशेषकर पुष्प क्रम नष्ट होता है तथा फल गिरते हैं। भारी मात्रा में भेदन तथा सतत रस चूसने के कारण पत्तियॉ मुड़ जाती हैं तथा प्रभावित ऊतक सूख जाते हैं। यह एक मीठा चिपचिपा द्रव निकालते हैं जिस पर सूटी मोल्ड (काली फफूँद) का वर्धन होता है। सूटी मोल्ड एक प्रकार की फफूँद होती है जो पत्तियों में होने वाली प्रकाश संश्लेषण की

क्रिया को प्रभावित करती है। भुनगा कीट पूरे वर्ष देखा जाता है किन्तु फरवरी से अप्रैल तथा जून से अगस्त के बीच इसका प्रकोप अधिक होता है।

- कुछ बागों में इस समय भुनगा दिखने लगा हैं तथा पुष्पगुच्छों को नष्ट करने लगा है। इस समय तापमान बढ़ना शुरू हो गया है, तो आम के बौर में भुनगा की संख्या बढ़ने की संभावना है। किसानों को सलाह दी जाती है कि तत्काल इमिडाक्लोप्रिड (0.005 प्रतिशत, 0.3 मि. ली./ली. पानी) तथा साथ में स्टिकर (0.05 प्रतिशत) का पुष्पगुच्छ निकलने की अवस्था में छिड़काव करना चाहिए।
- साइपरमेथ्रिन, परमेथ्रिन, फेनवेलरेट तथा डेल्ट्रामिथ्रिन सिंथेटिक पाइरेथ्राइड्स का आम के पेड़ों में छिड़काव नहीं करना चाहिए क्योंकि ये मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं।
- 50 प्रतिशत से अधिक पुष्पन हो गया हो तो बागवानों को छिड़काव नहीं करने की सलाह दी जाती है क्योंकि इससे परागण क्रिया पर असर होता है जिससे कम फल बैठते हैं।
- पाउड्री मिल्ड्सू एवं हॉपर के प्रबंधन के लिए कीटनाशी तथा फफूँदनाशी का सम्मिश्रण किया जा सकता है।

सूचना संबंधी संपर्क हेतु

निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, रहमानखेडा, पोस्ट काकोरी, लखनऊ –227107 या विषय–विशेषज्ञ से वार्ता के लिए प्रत्येक शुक्रवार पूर्वाहन 10:30 बजे से सायं 4:00 बजे तक फोन–इन–लाइव द्वारा फोन पर (0522–2841082, 2841023)।